No. of Printed Pages : 4 **MLIE-101**

01342

MASTER OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE (Revised)

Term-End Examination

June, 2011

MLIE-101 : PRESERVATION AND CONSERVATION OF LIBRARY MATERIALS

Important Instruction: *This question paper should be attempted only by those candidates who have registered for MLIS from* ***July, 2005 and onwards.***

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt* ***all*** *questions. All questions* ***carry equal*** *marks. Illustrate your answers with suitable examples and diagrams, wherever necessary. Write relevant Q. No. before writing the answer.*

1.1 Discuss why preservation is considered as an important aspect of librarianship. Explain the basic considerations for formulating a strategy for preservation of library material.

OR

1.2 Explain the inherent characteristics of palm leaf manuscripts and discuss its care, handling and restoration methods.

2.1 Discuss common environmental hazards for library materials and preventive measures required for preservation.

OR

2.2 Describe different types of magnetic media and discuss their care and handling aspects.

3.1 What are the pests responsible for deterioration of library materials ? Discuss the damages caused by them.

OR

3.2 Classify binding types by the stitching process and the covering materials used. Assess the advantages and disadvantages of each type of binding.

4.1 Describe a few inexpensive procedures that can be adopted by libraries in house for restoration of damaged reading materials.

OR

4.2 Discuss the advantages and limitations of microfilming as a method of preserving archival materials in the library.

5.0 Write short notes on ***any three*** of the following (in about ***300*** words each) :

(a) Dehumidification

(b) Papyrus as writing material

(c) Preventive conservation

(d) De - acidification process

(e) Reinforced library binding

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (संशोधित)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

एम.एल.आई.ई.-101 : पुस्तकालय सामग्री का परिरक्षण तथा संरक्षण

महत्वपूर्ण निर्देश : *यह प्रश्न पत्र केवल उन छात्रों के लिए है जिन्होंने एम.एल.आई.एस. में पंजीकरण* ***जुलाई, 2005 या उससे बाद*** *में किया है।*

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के* ***अंक समान*** *हैं । अपने उत्तरों की पुष्टि के लिए उचित उदाहरण देते हुए आवश्यकतानुसार रेखाचित्रों का भी प्रयोग करें । उत्तर लिखने से पूर्व संबंधित प्रश्न - संख्या अवश्य लिखें ।*

1.1 विवेचना कीजिए कि परिरक्षण (प्रिजर्वेशन) को पुस्तकालय व्यवसाय का एक महत्वपूर्ण पहलू क्यों माना जाता है? किन प्रमुख कारणों से पुस्तकालय सामग्री के परिरक्षण के लिए एक रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है? उन कारणों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

1.2 ताड़-पत्र पाण्डुलिपियों के अंतर्जात अभिलक्षणों की व्याख्या कीजिए तथा इसकी देखभाल, संचालन तथा जीर्णोद्धार की विधियों का विवेचन कीजिए।

2.1 पुस्तकालय सामग्रियों के लिए सामान्य पर्यावरणीय आपदाओं तथा परिरक्षण हेतु इनसे बचाव के उपायों का विवेचन कीजिए।

अथवा

2.2 विभिन्न प्रकार के चुम्बकीय माध्यमों का वर्णन कीजिए तथा इनकी देखभाल एवं संचालन का विवेचन कीजिए।

3.1 पुस्तकालय सामग्रियों में विकृति लाने वाले कीट कौन-कौन से हैं? उनके द्वारा की जाने वाली क्षति का विवेचन कीजिए।

अथवा

3.2 सिलाई की प्रक्रिया तथा आवरण हेतु प्रयुक्त सामग्री के आधार पर जिल्दसाजी के प्रकारों को वर्गीकृत कीजिए। प्रत्येक प्रकार की जिल्दसाजी के लाभ-हानियों का मूल्यांकन कीजिए।

4.1 क्षतिग्रस्त पठन-सामग्री के जीर्णोद्धार के लिए पुस्तकालय द्वारा स्वयं अपनाई जाने वाली कुछ कमखर्चीली प्रक्रियाओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

4.2 पुस्तकालय में पुरालेखीय सामग्री के परिरक्षण की एक विधि के रूप में माइक्रोफिल्मिंग के लाभ और सीमाओं का विवेचन कीजिए।

5.0 निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक पर लगभग *300* शब्दों में।)

(a) निर-आर्द्रीकरण।

(b) लेखन सामग्री के रूप में पपीरस।

(c) परिरक्षणात्मक संरक्षण।

(d) निर-अम्लीकरण।

(e) सुदृढ़ जिल्दसाजी।